राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से

चित्तौड़गढ़/गंगरार मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित ''ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से

14-15 अक्टूबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के जाने-माने विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित ''ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में षिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना षिकरत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षकों सहित देशभर से विभिन्न प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

मेवाड़ विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार, 13 अक्टूबर (जसं.) । मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित 'ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को किया जायेगा।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना है। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना शिकरत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद् भाग लेंगे।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन मेवाड़ विश्वविद्यालय में 14 अक्टूबर से

14-15 अक्टूबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के जाने-माने विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित ''ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय'' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को कर रहा है। इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों का पता लगाना है। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना भी है। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में षिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना षिकरत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद भाग ले रहे हैं। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, शिक्षकों सहित देशभर से विभिन्न प्रतिभागी हिस्सा ले रहे है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन हुआ शोध की गुणवत्ता पर विमर्श

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का पहला दिन रहा शोध सुधारों के नाम

शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आना होगा आगे: प्रवीर सक्सेना

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़/गंगरार(अमित कुमार चेचानी)। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कही। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'कुलपति प्रो0 आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तरविषयी, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। प्रथम तकनीकी सत्र में इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा केंद्रों की आवश्यकता है। मोदी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एनके माहेश्वरी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया। वनस्थली विद्यापीठ टोंक के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित नैक के बेस्ट प्रैक्टिसेज फ्रेमवर्क की व्याख्या की। उन्होंने बेस्ट प्रैक्टिसेज के क्षेत्र में नवाचारों की बात की। दूसरे तकनीकी सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षाविदों के बीच अनुसंधान एकीकरण पर जोर दिया। मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत ने उच्च शिक्षा में ट्राई लैंग्वेज फॉर्मूला के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आगे कहा कि अनुसंधान के साथ-साथ शैक्षिक सुधारों में उत्कृष्टता के लिए अकादमी जगत के साथ उद्योगों के सहयोग की भी आवश्यकता है। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ0 हरि सिंह चैहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो0 चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक वंदना चुण्डावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ0 जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ0 गुलजार अहमद ने किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 एस. सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ0 प्रमोद मेहता, डॉ0 सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ0 एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के पहले दिन हुआ शोध की गुणवत्ता पर विमर्श

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का पहला दिन रहा शोध सुधारों के नाम, शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आना होगा आगेः प्रवीर सक्सेना

न्यूज ज्योति

चित्तौड़गढ़/गंगरार। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कही। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'कुलपति प्रो0 आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तरविषयी, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। प्रथम तकनीकी सत्र में इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में डेटा केंद्रों की आवश्यकता है।

मोदी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एनके माहेश्वरी ने ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसंधान सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित करने पर बल दिया। वनस्थली विद्यापीठ टोंक के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित नैक के बेस्ट प्रैक्टिसेज फ्रेमवर्क की व्याख्या की। उन्होंने बेस्ट प्रैक्टिसेज के क्षेत्र में नवाचारों की बात की। दूसरे तकनीकी सत्र में जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा ने उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षाविदों के बीच अनुसंधान एकीकरण पर जोर दिया। मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत ने उच्च शिक्षा में ट्राई लैंग्वेज फॉर्मूला के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने आगे कहा कि अनुसंधान के साथ-साथ शैक्षिक सुधारों में उत्कृष्टता के लिए अकादमी जगत के साथ उद्योगों के सहयोग की भी आवश्यकता है। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ0 हरि सिंह चैहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो0 चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक वंदना चुण्डावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ0 जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ0 गुलजार अहमद ने किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो0 एस. सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ0 प्रमोद मेहता, डॉ0 सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ0 एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

जननायक

मेवाड़ हलचल

चित्तौड़गढ़ : शनिवार

15 अक्टूबर 2022

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता पर संगोष्ठी

शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग व उद्योगों को आगे आना होगा: सक्सेना

गंगरार, 14 अक्टूबर (जसं.)। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा, क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरूप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'रीच टू अनरीच' के मोटो के साथ मेवाड़ विश्वविद्यालय कठिन परिस्थितियों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत में उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और शोध प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल राजस्थान के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है, बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिये पूरी तरह से प्रयासरत है। यहाँ तक कि विदेशों से आए गरीब छात्र भी मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रयासों का लाभ पा रहे हैं।

कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तरविषयी, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने योजना आधारित प्रोजेक्ट अर्निंग तथा बहु-संस्थागत परियोजना को नई शैक्षणिक दुनिया के लिए एक गुंजाइश बताया। अंत में उन्होंने कहा कि विचार और विचार का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है, धन नहीं।

संगोष्ठी को अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह, जयपुर के प्रो. एनके माहेश्वरी, वनस्थली विद्यापीठ से प्रो. हर्ष पुरोहित, मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत, डॉ. हरि सिंह चौहान, प्रो. चेताली अग्रवाल आदि ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी समन्वयक वंदना चुण्डावत ने सभ का परिचय, स्वागत आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने स्वागत तथा डॉ. गुलजार अहमद ने सभी धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वज कीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो. एस सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. एआर राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ. प्रमोद मेहता, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. एसार अहमद, बीएल पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

नेपाल के बैंकों के सदस्यों ने समझी अरबन बैंक की कार्य प्रणाली

चित्तौड़गढ़, 14 अक्टूबर (नसं.)। नेपाल के 4 बैंकों के 21 सदस्यों ने शुक्रवार को चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक पहुंच बैंक की कार्य प्रणाली की जानकारी ली। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष डॉ. आईएम सेठिया और प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी ने बैंक की कार्य प्रणाली की जानकारी दी। इस दौरान सभी सदस्यों ने बैंक की कार्य प्रणाली को जानने में उत्सुकता दिखाई। साथ ही सहकारिता के बारे में भी उन्होंने जानकारी प्राप्त की। सभी सदस्य दोपहर बैंक में पहुंचे और करीब 1 घंटे तक बैंक की कार्य प्रणाली को देखा। बैंक में पहुँचने पर बैंक चेयरमैन डॉ. आईएम सेठिया, पूर्व चेयरपर्सन विमला सेठिया, प्रबन्ध निदेशक वन्दना वजीरानी, जेपी जोशी, राजेश अवस्थी, संजय कुमार शर्मा, अभिषेक टेलर सहित अन्य अधिकारियों ने उपरणा ओढ़ाकर सभी सदस्यों का स्वागत किया।

पंचायत समिति की बैठक में छाया सड़कों का मुद्दा

मेवाड़ विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

शिक्षक वहीं है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे: प्रो. पी. प्रकाश

गंगरार, 15 अक्टूबर (जसं.)। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे।

उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही विभिन्न प्रकार के फैलोशिप कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एमडी जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चुअल लैब्स पर ध्यान देने की जरुरत बताई। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष डॉ. एआर राजा ने की।

चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों-शोधार्थियों के सम्बन्धों पर विचार रखते हुए प्रो. वाणी लातूरकर ने कहा कि संस्थानों को शोधार्थियों के साथ पितृवत व्यवहार बनाये रखना चाहिए जिससे कि वे रचनात्मकता के साथ शोध में अपना शत-प्रतिशत दे सकें। प्रो. वेंकट वीपी आरपी ने नैक मूल्यांकन के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षकों को निरन्तर पब्लिकेशन, पेटेन्ट और शोध के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रो. के झांसी रानी ने शिक्षा और शोध में आने वाली चुनौतियों और उसकी तैयारियों के बारे में अपनी बात रखी। चौथे सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के रिसर्च एथिकल कमेटी के वाइस चेयरमैन डॉ. गुलजार अहमद ने की। पाँचवे सत्र में प्रो. मीना कपाही ने नैक मूल्यांकन के रोडमैप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसार अहमद ने की।

इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी. रमैया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चुण्डावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

चित्तौड़गढ़/गंगरार शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चूअल लैब्स पर ध्यान देने की जरूरत बताई।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ समापन

शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे : प्रो. पी. प्रकाश

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होगें शोध उच्चानुशीलन केंद्र : प्रो. वाणी लातुरकर

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी)। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे। उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चूअल लैब्स पर ध्यान देने की जरूरत बताई। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष डॉ. ए आर. राजा ने की।

चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों-शोधार्थियों के सम्बन्धों पर विचार रखते हुए प्रो. वाणी लातूरकर ने कहा कि संस्थानों को शोधार्थियों के साथ पितृवत व्यवहार बनाये रखना चाहिए जिससे कि वे रचनात्मकता के साथ शोध में अपना शत-प्रतिशत दे सकें। प्रो. वेंकट वी.पी.आर.पी ने नैक मूल्यांकन के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षकों को निरन्तर पब्लिकेशन, पेटेन्ट और शोध के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रो. के. झांसी रानी ने शिक्षा और शोध में आने वाली चुनौतियों और उसकी तैयारियों के बारे में अपनी बात रखी। चौथे सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के रिसर्च एथिकल कमेटी के वाईस चेयरमैन डॉ. गुलजार अहमद ने की।

पाँचवे सत्र में प्रो. मीना कपाही ने नैक मूल्यांकन के रोडमैप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसार अहमद ने की। इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी. रमैया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुनित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चूण्डावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विवि. के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होगें शोध उच्चानुशीलन केन्द्र

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

गंगरार। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। यह विचार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की।समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा,डॉ. ए. आर. राजा, प्रो. वाणी लातूरकर, डॉ. गुलजार अहमद, प्रो. मीना कपाही, डॉ. एसार अहमद,प्रो. पी. रमैया, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने विचार व्यक्त किए। संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चूण्डावत ने किया।

Dainik Navajyoti 16-10-2022

मेवाड़ विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार, 13 अक्टूबर (जसं.)। मेवाड़ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित 'ग्रामीण क्षेत्रों के उच्च शिक्षण संस्थानों में शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए चुनौतियाँ और नवीन उपाय' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 14-15 अक्टूबर को किया जायेगा।

इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियों में ग्रामीण विश्वविद्यालयों के समक्ष आने वाली चुनौतियों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक अनुसंधान को बढ़ाने के लिए नवीन उपायों का पता लगाना है। कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक होंगे। मुख्य वक्ता के रूप में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना शिकरत करेंगे। 5 तकनीकी सत्रों में आयोजित होनी वाली इस दो दिवसीय वेब-संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद् भाग लेंगे।

Jannayak
Date: 14/10/22
page: 03

राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

गंगरार। मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रत्यायन और मूल्यांकन परिषद द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 14-15 अक्टूबर को होगी। कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया संगोष्ठी को सम्बोधित करेंगे तथा उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक मिश्र करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटीटीआर, चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक, मुख्य वक्ता शिक्षा मन्त्रालय भारत सरकार से प्रवीर सक्सेना होंगे। संगोष्ठी में देश भर से कुल 11 शिक्षाविद भाग ले रहे हैं।

Dainik Navajyoti
Date: 14/10/22
page: 05

मेवाड़ विश्वविद्यालय में शोध की गुणवत्ता पर संगोष्ठी

शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग व उद्योगों को आगे आना होगा: सक्सेना

गंगरार, 14 अक्टूबर (जसं.)। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा, क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरुरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को कला, संस्कृति और पर्यावरण अध्ययन सहित नए ज्ञान के साथ नए पाठ्यक्रम को डिजाइन करना चाहिए। इसके पूर्व मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति ने नई शिक्षा नीति और नैक के मानकों के अनुरुप विश्वविद्यालय की तैयारियों के बारे में बताते हुए कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुआ। 'रीच टू अनरीच' के मोटो के साथ मेवाड़ विश्वविद्यालय कठिन परिस्थितियों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में कम लागत में उच्च गुणवत्ता

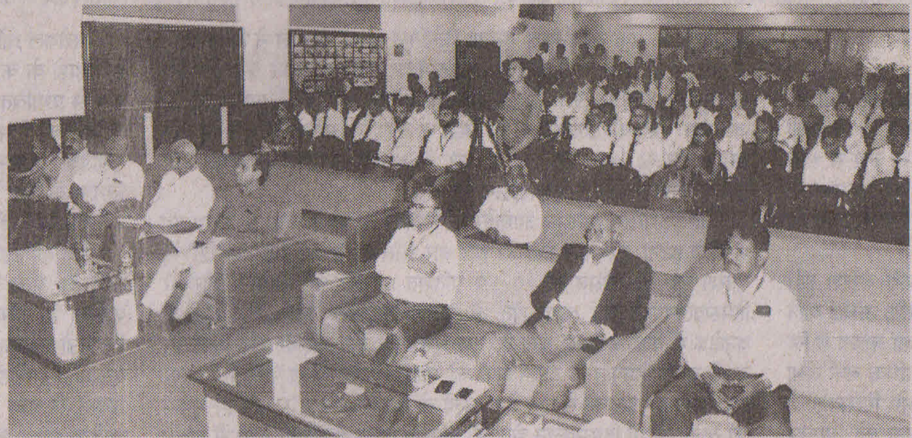

युक्त शिक्षा और शोध प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल राजस्थान के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है, बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिये पूरी तरह से प्रयासरत है। यहाँ तक कि विदेशों से आए गरीब छात्र भी मेवाड़ विश्वविद्यालय के प्रयासों का लाभ पा रहे हैं।

कुलपति प्रो. आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि क्या हम मेटावर्स वर्ल्ड में अगली पीढ़ी की भूमिका के लिए तैयार हैं? उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अन्तरविषयी, बहुविषयी क्षेत्रों में शोध हेतु एकीकरण की बहुत आवश्यकता है। इसके साथ ही उन्होंने योजना आधारित प्रोजेक्ट अर्निंग तथा बहु-संस्थागत परियोजना को नई शैक्षणिक दुनिया के लिए एक गुंजाइश बताया। अंत में उन्होंने कहा कि विचार और विचार का कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है, धन नहीं।

संगोष्ठी को अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह, जयपुर के प्रो. एनके माहेश्वरी, वनस्थली विद्यापीठ से प्रो. हर्ष पुरोहित, मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत, डॉ. हरि सिंह चौहान, प्रो. चेताली अग्रवाल आदि ने भी संबोधित किया।

संगोष्ठी समन्वयक वंदना चुण्डावत ने सभ का परिचय, स्वागत आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने स्वागत तथा डॉ. गुलजार अहमद ने सभी धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अकादमिक निदेशक ध्वज कीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो. एस सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. एआर राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ. प्रमोद मेहता, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ. एसार अहमद, बीएल पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

Jannayak
Date : 15/10/22
page : 04

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रारम्भ

चित्तौड़गढ़ (प्रातःकाल संवाददाता)। शोध के लिए कॉरपोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा, सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अनुसंधान के लिए सीमित धन है। केवल सरकारी विभाग ही देश भर के प्रतिभावान शिक्षाविदों की नवाचारों और शोध के लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती। निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों को भी समाज की खातिर इस तरह के नवाचारों और शोध के लिए फंडिंग की पहल करनी चाहिए। उक्त विचार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि मेवाड़ विश्वविद्यालय केवल राजस्थान के ही ग्रामीण इलाकों पर अपना ध्यान नहीं केन्द्रित कर रहा है बल्कि देश भर के विभिन्न राज्यों के गरीब बच्चों को शिक्षा देने के लिये पूरी तरह से प्रयासरत है। कुलपति प्रो आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि हम नित्य इसी प्रयास में हैं कि किस तरह ग्रामीण उद्योगों के समस्या-समाधान पर आधारित शोध व नवाचारों को बढ़ा सकें। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक ने भविष्य के शैक्षणिक माहौल के बारे में चिंता जताई। प्रथम तकनीकी सत्र में प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया।

Pratah Kal
Date: 15/10/22
page: 10

संगोष्ठी में शोध की गुणवत्ता पर विचार-विमर्श

गंगरार। शोध के लिए कॉर्पोरेट फंडिंग और उद्योगों को भी आगे आना होगा क्योंकि सरकार के पास देश में अनुसंधान केंद्रों की स्थापना, अनुसंधान के लिए सीमित धन है। उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के पहले दिन बतौर मुख्य वक्ता शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के अपर सचिव प्रवीर सक्सेना ने कही। कुलपति प्रो आलोक मिश्रा ने अकादमिक और शोध के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को बताया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान चंडीगढ़ के निदेशक प्रो. श्याम सुंदर पटनायक थे। इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड साइंसेज मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के प्रोफेसर यतेन्द्र पाल सिंह ने ग्रामीण छात्रों की समस्याओं पर जोर दिया। मोदी विश्वविद्यालय जयपुर के प्रोफेसर एनके माहेश्वरी, वनस्थली विद्यापीठ टोंक के प्रोफेसर हर्ष पुरोहित, जम्मू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कुलदीप शर्मा, मंगलायतन विश्वविद्यालय के डीन-रिसर्च प्रो. रविकांत ने भी विचार व्यक्त किए। प्रथम सत्र की अध्यक्षता डॉ हरि सिंह चौहान तथा दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो चेताली अग्रवाल ने की। अतिथियों का परिचय संगोष्ठी की समन्वयक वंदना चूण्डावत ने दिया तथा स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक तथा विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी समन्वयक डॉ जितेन्द्र वासवानी ने दिया। धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के आयोजन सचिव डॉ गुलजार अहमद ने किया। अकादमिक निदेशक ध्वजकीर्ति शर्मा, डीन एग्रीकल्चर प्रो एस. सुदर्शन, डीन इंजीनियरिंग डॉ. ए. आर. राजा, कार्यक्रम के संयुक्त सचिव डॉ प्रमोद मेहता, डॉ सुमित कुमार पाण्डेय, डॉ एसार अहमद, बी. एल. पाल, कपिल नाहर सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं देश भर से प्रतिभागी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे।

Dainik Navjyoti
Date: 15/10/22
page: 08

मेवाड़ विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

शिक्षक वहीं है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करेः प्रो. पी. प्रकाश

गंगरार, 15 अक्टूबर (जसं.)। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे।

उक्त बातें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. भीमराव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर पी प्रकाश ने कही। उन्होंने मेवाड़ विश्वविद्यालय द्वारा गरीब विद्यार्थियों के लिये सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कराने के प्रयासों की सराहना की। साथ ही विभिन्न प्रकार के फैलोशिप कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। समापन समारोह की अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एमडी जागीरदार ने नैक मूल्यांकन की तैयारियों के मद्देनजर विचार रखते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने ऑनलाईन संसाधनों के उपयोग पर अपने विचार रखे।

उन्होंने मूक्स कोर्स, ई-लाईब्रेरी, वर्चूअल लैब्स पर ध्यान देने की जरुरत बताई। तीसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता इंजीनियरिंग संकायाध्यक्ष डॉ. एआर राजा ने की।

चौथे सत्र में शिक्षण संस्थानों और शिक्षकों-शोधार्थियों के सम्बन्धों पर विचार रखते हुए प्रो. वाणी लातूरकर ने कहा कि संस्थानों को शोधार्थियों के साथ पितृवत व्यवहार बनाये रखना चाहिए जिससे कि वे रचनात्मकता के साथ शोध में अपना शत-प्रतिशत दे सकें। प्रो. वेंकट वीपी आरपी ने नैक मूल्यांकन के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षकों को निरन्तर पब्लिकेशन, पेटेन्ट और शोध के लिए प्रयासरत रहना होगा। प्रो. के झांसी रानी ने शिक्षा और शोध में आने वाली चुनौतियों और उसकी तैयारियों के बारे में अपनी बात रखी। चौथे सत्र की अध्यक्षता मेवाड़ विश्वविद्यालय के रिसर्च एथिकल कमेटी के वाइस चेयरमैन डॉ. गुलजार अहमद ने की। पाँचवे सत्र में प्रो. मीना कपाही ने नैक मूल्यांकन के रोडमैप पर चर्चा की। इस सत्र की अध्यक्षता कार्यक्रम के सह-समन्वयक डॉ. एसार अहमद ने की।

इस कार्यक्रम को सफल आयोजन में मेवाड़ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी. रमैया का मार्गदर्शन अहम रहा। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की सम्पूर्ण रिपोर्ट पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चुण्डावत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन संगोष्ठी के संयोजक और मेवाड़ विश्वविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. जितेन्द्र वासवानी ने दिया।

Jannayak
Date: 16/10/22
page: 06

उच्च शिक्षण संस्थानों को स्थापित करने होगें शोध उच्चानुशीलन केन्द्र

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

गंगरार। शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों में नवाचार का प्रसार करे। यह विचार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् द्वारा प्रायोजित मेवाड़ विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-संगोष्ठी के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर पी. प्रकाश ने कही। अध्यक्षता अकादमिक निदेशक डॉ. ध्वज कीर्ति शर्मा ने की। समापन समारोह को मेवाड़ विश्वविद्यालय के

कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार गदिया एवं कुलपति प्रो. (डॉ.) आलोक मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। इसके पूर्व राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में प्रो. एम.डी. जागीरदार ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में शोध को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी की भी व्यवस्था करनी चाहिए। डॉ. के अनुराधा ने कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों को रिसर्च डेवलपमेन्ट कमेटी का भी गठन करना चाहिए। डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा, डॉ. ए. आर. राजा, प्रो. वाणी लातूरकर, डॉ. गुलजार अहमद, प्रो. मीना कपाही, डॉ. एसार अहमद, प्रो. पी. रमैया, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय ने विचार व्यक्त किए। संचालन संगोष्ठी की समन्वयक वन्दना चूण्डावत ने किया।

Dainik Navajyoti
Date: 16/10/22
page: 08